समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Thursday, 27 August 2026

46 रन पर सिमटी टीम इंडिया ! इसी मैच से शुरू हुई रोहित शर्मा की टेस्ट कप्तानी की उल्टी गिनती, 'हिटमैन' के करियर मे आया बड़ा मोड़

Publisher

Published on 17 Oct 2025

भारतीय क्रिकेट टीम के इतिहास में कुछ दिन ऐसे रहे हैं जो लंबे समय तक याद रखे जाते हैं — कभी गौरव के लिए, तो कभी शर्मनाक हार के लिए। ऐसा ही एक दिन भारतीय क्रिकेट प्रेमियों को आज भी याद है, जब **टीम इंडिया न्यूजीलैंड के खिलाफ महज 46 रन पर ऑलआउट** हो गई थी। यह दिन न सिर्फ टीम के लिए, बल्कि **रोहित शर्मा की टेस्ट कप्तानी के लिए भी निर्णायक साबित हुआ**, क्योंकि इसी मैच ने उनके करियर की दिशा बदल दी थी।

भारत की यह हार किसी साधारण मैच की तरह नहीं थी। यह एक ऐसे मोड़ पर आई थी, जब रोहित शर्मा बतौर कप्तान खुद को लंबे फॉर्मेट में साबित करने के मिशन पर थे। क्रिकेट फैंस उन्हें 'हिटमैन' के नाम से जानते हैं, जो सीमित ओवरों में किसी भी गेंदबाज को ध्वस्त करने की क्षमता रखते हैं। लेकिन टेस्ट क्रिकेट की चुनौती हमेशा अलग होती है, और यह वही प्रारूप था, जिसने रोहित के करियर में अनिश्चितता की लकीर खींच दी।

इस मैच में न्यूजीलैंड की स्विंग गेंदबाजी के सामने भारतीय बल्लेबाजी ताश के पत्तों की तरह बिखर गई। पिच पर हर गेंद हवा में झूल रही थी और भारतीय बल्लेबाजों को समझ ही नहीं आ रहा था कि शॉट खेलें या बचाव करें। नतीजा यह हुआ कि टीम 46 रन के बेहद शर्मनाक स्कोर पर ढेर हो गई — जो भारतीय क्रिकेट इतिहास के सबसे छोटे स्कोरों में से एक था।

इस प्रदर्शन के बाद आलोचनाओं का सैलाब उमड़ पड़ा। क्रिकेट पंडितों से लेकर फैंस तक, सभी ने सवाल उठाए कि आखिर भारतीय बल्लेबाजों में विदेशी परिस्थितियों में टिकने की क्षमता क्यों नहीं दिखती। सबसे ज्यादा दबाव कप्तान रोहित शर्मा पर आया, जिनसे उम्मीद थी कि वह टीम को संभालेंगे और ठोस रणनीति अपनाएंगे। लेकिन इस मैच ने उनकी कप्तानी को गहराई से झटका दिया।

रोहित शर्मा, जो इससे पहले कई बड़े मौकों पर टीम इंडिया को जीत दिला चुके थे, अचानक सवालों के घेरे में आ गए। क्रिकेट बोर्ड और टीम प्रबंधन ने भी उनकी कप्तानी पर चर्चा शुरू कर दी। यह कहा जाने लगा कि रोहित का टेस्ट कप्तानी कार्यकाल अब ढलान की ओर है और शायद यही वह बिंदु था जहां से उनकी **टेस्ट कप्तानी की उल्टी गिनती** शुरू हुई।

हालांकि, यह भी सच है कि एक मैच किसी खिलाड़ी की प्रतिभा या नेतृत्व क्षमता को परिभाषित नहीं कर सकता। रोहित शर्मा ने बाद में सीमित ओवरों के प्रारूप में जबरदस्त वापसी की और अपनी कप्तानी में भारत को कई यादगार जीतें दिलाईं। लेकिन उस टेस्ट हार ने उनके रिकॉर्ड पर एक ऐसा दाग छोड़ दिया, जो आज भी चर्चाओं में बना रहता है।

न्यूजीलैंड के गेंदबाजों — खासकर ट्रेंट बोल्ट और टिम साउदी — ने उस मैच में जादू कर दिया था। उनकी गेंदें इतनी स्विंग कर रही थीं कि भारत के शीर्ष क्रम के बल्लेबाज भी गेंद की दिशा का अनुमान नहीं लगा सके। कुछ ही ओवरों में स्कोरबोर्ड पर टीम इंडिया का हाल देखकर दर्शक हैरान रह गए।

मैच के बाद रोहित शर्मा ने कहा था, ***"[illegible]"*** लेकिन उनके इस बयान से पहले ही यह स्पष्ट हो गया था कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड टेस्ट कप्तानी में बदलाव पर विचार कर रहा है।

इस घटना के बाद भारतीय क्रिकेट में एक नए युग की शुरुआत हुई, जहां टीम ने नए चेहरों और नई रणनीतियों पर भरोसा दिखाया। वहीं, रोहित शर्मा ने भी अपनी ऊर्जा सफेद गेंद क्रिकेट पर केंद्रित की और वहां उन्होंने खुद को एक सफल कप्तान के रूप में स्थापित किया।

आज जब इस घटना को याद किया जाता है, तो यह सिर्फ एक हार की कहानी नहीं, बल्कि उस **मोड़ की दास्तां** है जिसने भारतीय क्रिकेट और रोहित शर्मा के करियर दोनों को प्रभावित किया। यह वह मैच था जिसने दिखाया कि सफलता और असफलता क्रिकेट के दो पहलू हैं — और एक सच्चा खिलाड़ी वही है जो गिरकर भी उठना जानता हो।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.